मोहयाल मित्र

■ *संपादकीय*

गौरवमय भविष्य की ओर

■ **अशोक लव**

लड़कियों को लेकर देश भर में चर्चाओं का दौर चल रहा है। 16 दिसंबर को नई दिल्ली में हुई जघण्य दुष्कर्म की घटना ने भारतीय समाज को झकझोर दिया है। प्राचीन भारतीय समाज में नारियों का

सम्मान किया था। पत्नियों के बिना हवन और पूजा–पाठ संभव नहीं थे। वेदों की अनेक ऋचाओं की रचयिता नारियाँ थीं। विदेशी आक्रमणकारियों की लूट–खसोट ने भारतीय समाज में नारियों की स्थिति को बदल दिया। इसी कारण परदा–प्रथा का प्रचलन हुआ। बेटियों और परिवार की महिलाओं की इज्ज़त बचाने के लिए उन्हें परदे में रखा जाने लगा।

स्वतंत्रता के पश्चात शिक्षा के प्रचार–प्रसार से स्थिति में काफी परिवर्तन आए। फिर भी अनेक क्षेत्रों में दकियानूसी विचार के लोग लड़कियों को बोझ समझते आ रहे हैं। ऐसे लोग भूल जाते हैं कि बेटा–बेटी दोनों ईश्वर की अनुपम देन है। दोनों माता–पिता की आँखों के तारे होते हैं। गृहस्थ जीवन की पूर्णता संतान के जन्म लेने से पूर्ण होती हैं। बेटा हो या बेटी, इनकी किलकारियाँ घर को आनंदमय बना देती हैं।

मोहयाल सभा लुधियाना द्वारा 6 जनवरी को मोहयाल–मिलन आयोजित किया गया था। यह मिलन तो था ही, इसके साथ–साथ लोहड़ी का उत्सव भी मनाया गया। इस मिलन का विषय था– 'लोहड़ी धियां दी' अर्थात् बेटियों की लोहड़ी। पंजाब और हरियाणा में भ्रूण हत्याएँ अधिकतम होती हैं। लड़कियों की गर्भ में ही हत्या कर दी जाती है। इस पृष्ठभूमि में मोहयाल सभा लुधियाना के इस आयोजन की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। जनरल मोहयाल सभा के हम पदाधिकारी– श्री ओ.पी. मोहन (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), श्री धर्मवीर मोहन (महासचिव), अशोक लव (सचिव), श्री योगेश मेहता (सचिव–युवा और संस्कृति) तो इस समारोह में उपस्थित थे ही इसके साथ–साथ अन्य मोहयाल सभाओं के सदस्य और पदाधिकारी भी सम्मिलित हुए। इस समारोह में तीस माता–पिता को सम्मानित किया गया, जिनके यहाँ बेटियों ने जन्म लिया था। उन्हें शॉल और मिठाई भेंट कर सम्मानित किया गया। यह क्रांतिकारी कदम था, जिसकी सबने दिल खोलकर प्रशंसा की।

आज तक बेटों की लोहड़ी मनाई जाती थी। अब पूरे मोहयाल समाज में नया संदेश जाएगा। 'बेटियों की लोहड़ी' मनाई जाएगी। इसके तुरंत बाद जालंधर की मोहयाल सभा ने भी बेटियों की लोहड़ी मनाई।

मोहयाल सभा करनाल की ओर से तीस दिसंबर 2012 को मोहयाल मिलन का शानदार और सफल आयोजन किया गया। कंपकंपाती शीत लहर और धुँध को चीरते हुए मोहयाल, करनाल पहुँचे। मोहयाल भवन खचाखच भरा था। श्री गुलशन वैद (अध्यक्ष) के नेतृत्व में समस्त पदाधिकारी आयोजन की सफलता के लिए तल्लीन थे। इसमें मेरे साथ जनरल मोहयाल के पदाधिकारी– श्री ओ.पी. मोहन, श्री धर्मवीर मोहन, श्री पी.के. दत्ता और अश्वनी बक्शी जी भी उपस्थित थे। मुख्य–अतिथि ले.जन. बी.के.एन. छिब्बर (पूर्व राज्यपाल, पंजाब) ने अपने भाषण में मोहयालों के अतीत से वर्तमान तक की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली की प्रशंसा करते हुए कहा था–'भारत के विभाजन के पश्चात जिस एक व्यक्ति ने मोहयालों को उनकी पहचान दी और गौरवान्वित किया वे रायज़ादा बी.डी. बाली हैं। उन्होंने मोहयालों के आधुनिक इतिहास में सबसे अधिक महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय योगदान किया है।

मोहयाल सभा फरीदाबाद की ओर से लोहड़ी और बाल–दिवस का आयोजन किया गया। मोहयाल सभा मुंबई द्वारा लोहड़ी–पर्व मनाया गया। 20 जनवरी 2013 को जनरल मोहयाल सभा द्वारा स्थानीय मोहयाल सभाओं के अध्यक्षों और सचिवों का सफल सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इसमें मुंबई से लेकर कढुआ (जम्मू) तक की अनेक मोहयाल सभाओं का प्रतिनिधित्व हुआ। इसमें मोहयाल समाज से जुड़े अनेक विषयों पर विचार–विमर्श किया गया।

मोहयालों में जागरुकता बढ़ी है। युवा सक्रिय रूप से आयोजनों में भाग ले रहे हैं। यह हमारे गौरवमय उज्ज्वल भविष्य के संकेत हैं। यह क्रम जारी रहना चाहिए। जो मोहयाल सभाएँ निष्क्रिय हैं उन्हें सक्रिय होना चाहिए अपने–अपने क्षेत्रों के मोहयालों को संगठित करना चाहिए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करके बालकों और युवाओं की प्रतिभाओं को उजागर करना चाहिए। अनेक स्थानीय मोहयाल सभाएँ प्रशंसनीय कार्य कर रही है। अन्य मोहयाल सभाएँ इस दिशा में सक्रिय होकर कार्य करें, ऐसी कामना है।

हमारे मार्गदर्शक और मोहयालों के प्रिय मोहयाल रत्न रायज़ादा बी. डी. बाली के कुशल नेतृत्व में हम प्रगति और विकास–पथ पर अग्रसर रहें।

मोहयाल विद्यार्थियों के लिए यह परिश्रम का समय है। मार्च से उनकी परीक्षाएँ आरंभ होंगी। हमारी शुभकामनाएँ! दसवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों की बोर्ड की परीक्षाएँ एक मार्च से आरंभ होंगी। उनके लिए विशेष शुभकामनाएँ! जी.एम.एस. आपको 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' से सम्मानित करेगी। इसलिए खूब अच्छे अंक लाएँ।   जय मोहयाल!

Donate Generously towards Mohyal Ashram

मोहयाली रिश्ते तथा पूर्वज

भारत की स्वतंत्रता से लगभग 10–15 वर्ष पहले चौधरी गौरी शंकर दत्त ''कंजरूड़वी ने मोहयाल हिस्ट्री उर्दू भाषा में लिखी थी। जिसमें मोहयाल का अर्थ महियाल अर्थात् भूमि के मालिक तथा मोहजाल अर्थात् मोह (प्यार) में जाल की तरह बंधे लिखा था। लगभग सभी मोहयाल आपसी रिश्तों में जाल की तरह बँधे थे। पिता के गोत्र को छोड़कर अपनी 6 उपजातियों में शादी होती थी। केवल वैद तथा मोहन आपसी शादी से निषिद्ध थे। आज भी बहुत सी शादियाँ इसी तरह होती हैं किंतु 1947 के बाद जब से संविधान में धर्मनिरपेक्षता, भौतिकता, वैज्ञानिकता तथा बच्चों में आधुनिकता का प्रसार हुआ है। रिश्तों में कुछ कमी आ गई है। कई मोहयाल दूर–दूर बसे होने के कारण भी तथा बच्चों के मोह तथा कार्यप्रणाली के कारण बिरादरी को छोड़ कर दूसरी जातियों में रिश्ते करते हैं। यह विचारणीय विषय है।

शादी से पहले मुंडन संस्कार होता था। मुंडन जंड वृक्ष के नीचे होता था। इस प्रकार मुंडन को 'झंडां' भी कहते थे। यह प्रायः जोड़ी बेटों का होता था। मुंडन तथा शादी पर कड़ाही (सूजी का हलवा) पर्दे में बनाई जाती थी। जिसे केवल उसी उपजाति के ही बच्चे बड़े खाते थे। दूसरी उपजाति को इसे खाना तो दूर देखने भी नहीं दिया जाता था। यह कड़ाही पूर्वजों के नाम पर बनाई जाती थी और पूजी जाती थी। कुलपुरोहित या पुरोहितानी पूजा करती थी। पूजा के समय इस प्रकार बोलती थी ''वड्डे वडेरियो भागीं भरयो, लहदै दियोचंददे दियो, दक्खन दियो, पहाड़ दियो, शीं खादयो, सपखादयो, किसे तरां दे वी हो, तुहाडे नां दी कड़ाही बनाई है स्वीकार करो ते भुल चुक माफ करयो।'' फिर नत मस्तक हो के सारयां हाथ जोड़ने। इस तरह चैत्र मास में बहे बाजडे बार मंगलवारों में से किसी तरह एक मंगलवार को करने सोमवार को रोटी, सब्जी आदि बना कर रखनी और मंगलवार को ताजी रोटी नहीं पकानी और न आग जलायी, बासी रोटी, बासी सब्जी ही मँगलवार को खानी।

वैशाख मास की संक्रांति के दिन नये जौ या जौ के सत्तू शक्कर घी के साथ मिला कर माता ने अपने बेटे से खाने। आषाढ़ मास की संक्रांति वाले दिन नई गेहूँ के अजारण (मीठी मोटी रोटी) बनानी तथा पूर्वजों के नाम पर कड़ाही वाली पूजा के शब्द उच्चारण करने तथा नतमस्तक होना और हाथ जोड़ने। इससे चार चीजों की वृद्धि होती है। (1) आयु (2) यश (3) बुद्धि और (4) बल।

आजकल संयुक्त परिवार प्रथा प्रायः लोप हो रही है। एकल परिवार प्रथा का प्रचलन बढ़ रहा है। मेरी सब भाई, बहनों और बच्चों से प्रार्थना है कि अपने पूर्वजों के बलिदान, ऋण तथा उपकार को न भूलें तथा बढ़ चढ़ कर उनकी याद और सेवा में मन लगाएँ। इस प्रकारण में नीचे कुछ लेखों तथा लेखकों के बारे लिख रहा हूँ। उनको अवश्य पढ़ें तथा उन पर आचरण करने का प्रयास करें।

1. ''माँ विशेष है'' (श्री राज मेहता–ट्रिब्यून दि. 13.04.2011)
2. ''फुसर्त नहीं'' (श्री खुशवंत सिंह–ट्रिब्यून दि. 4.4.2010.)
3. ''गुम होते रिश्ते'' (श्रीमती सरिता मोहन–ट्रिब्यून दि. 15.8.2011)
4. ''संन्ध्या लघु कथा'' (भट्टाचार्य–दैनिक जागरण हिंदी दि. 11.7.2011)

–रामलुभाया दत्ता (एम.ए.बी.एड.), सेवानिवृत्त मुख्याध्यापक, गाँव तालिबपुर पण्डोरी, जिला गुरदासपुर, पंजाब, मो. 9646743824

सब्र करो, सब्र का फल मीठा होता है।

मनुष्य के जीवन की मुख्य तीन अवस्थाएँ होती हैं बचपन, यौवन और वृद्धावस्था। इन तीनों अवस्थाओं में व्यक्ति के पास जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करने के अनेक अवसर आते हैं। व्यक्ति जैसा चाहता है इसे वह मिल सकता है और वह हर परिस्थिति को अपने अनुकूल बना सकता है। वैसे तो प्रत्येक मानव को अपने जीवन में जब भी कोई महत्वपूर्ण फैसला लेना होता है तो इसके सम्मुख सीधी बात वाले वो विकल्प होते हैं एक हाँ दूसरा ना। लेकिन प्रायः यह देखा गया है कि व्यक्ति अपनी परिस्थिति के अनुसार शीघ्र फैसला लेना चाहता है। सब कुछ शीघ्रता से प्राप्त करने के उद्देश्य से व्यक्ति आगे–पीछे देखे बिना कोई निर्णय ले लेता है। और भविष्य में जब उस निर्णय के दुष्परिणाम सामने आने लगते हैं तब वह परेशान होने लगता है। इस परेशानी के दौर में उसके सोचने समझने की शक्ति क्षीण हो जाती है और वह अपने भाग्य को दोष देने लगता है। हालांकि बहुत बार दोबारा से फिर वह गलत निर्णय ले लेता है और परेशानियों की चादर ओढ़ लेता है। इन परेशानियों से छुटकारा पाने का सबसे अच्छा तरीका आत्म मन्थन है। क्योंकि हमारे द्वारा किया गया कोई कार्य हमें अपने जिम्मेदारी का अहसास कराता है और इस अहसास को खुशी में बदलना भी हमारे हाथ में है। दरअसल इंसान स्वार्थ, काम, क्रोध मोह अंहकार और लालच में अंधा हो जाता है तब ही ऐसी परेशानियाँ प्रारम्भ होती है। कितना अच्छा हो कि किसी भी निर्णय को अंतिम रूप से स्वीकार करने से पूर्व एक बार अच्छी तरह विचार कर लिया जाए और प्रतिफल की प्राप्ती के लिए थोड़ा सब्र कर लिया जाए।

महात्मा गाँधी का उदाहरण सब्र करने के मामले में सर्वश्रेष्ठ कहा जा सकता है। अंग्रेजों से लोहा लेने के लिए अंहिसा आन्दोलन का जो सहारा लिया वह सब्र का ही दूसरा रूप है। हलांकि वह भी युवा थे उनमें भी एक जोश था परन्तु उनके हृदय में राष्ट्र प्रेम की लौ जल रही थी इसीलिए उन्होंने धैर्य से काम किया। यदि उनके आन्दोलन में सब्र का समावेश नहीं होता तो लाखों करोड़ों लोग उसके साथ नहीं होते और भारत की आजादी का सपना नहीं देखा जा सकता था। उसके आन्दोलन से वही जुड़ा जिसमें धैर्य या गाँधी जी की योजना के अनुसार जब सब काम होते गए तो आखिरकार अंग्रेजों को भारत छोड़ना पड़ा।

आमतौर पर यह पाया जाता है कि किसान और मजदूर जो कि भारत की जनसंख्या का नब्बे प्रतिशत है सबसे अधिक धैर्यवान है। एक किसान को जानकारी होती है कि फसल उगाने के लिए जमीन उपजाऊ होने के साथ साथ पानी और खाद की भी आवश्यकता होती है और फसल के पैदा होने का एक समय भी होता है। यदि किसान धैर्य न रखे तो हमें अनाज, शाक और उपयोगी फसलों के स्थान पर सूखी और अनुपयोगी घास ही प्राप्त होगी इसी प्रकार निर्माण कार्य में एक मजूदर के योगदान को कम नहीं आंका जा सकता केवल एक ईट के ऊपर दूसरी ईट रखने का काम तो कोई भी कर सकता है लेकिन किसी भवन सड़क या कारखाने में किया जा रहा निर्माण कार्य इतना आसान नहीं होता।

संत कबीर ने भी कहा है–

धीरे धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
माली सीचें सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय।।

Donate Rs.11,000 towards Langar Fund, Mohyal Ashram

साहिर लुधियानवी ने एक रचना में कहा है।

'जिस सुबह की खातिर जुग जुग से हम सब मरमर के जीते हैं।
जिस सुबह के अमृत की धुन में हम जहर के प्याले पीते हैं।
वो सुबह न आए आज मगर, वो सुबह कमी तो आऐगी.....'

–विवेक मेहता, *देहरादून रोड, डोईवाला (उत्तराखंड)*

राकेश छिब्बर और डॉ० दिप्ती का विवाह

आदरीणीय, सम्पादक (हिंदी)
श्री अशोक लव जी, जय मोहयाल!

अंग्रेजी भाषा का एक मुहावरा "Child is the father of the Man" जहन में आने पर दिमाग कुछ इस प्रकार सोचने पर मजबूर हो

जाता है, कि जब कोई शिशु इस धरती पर आता है, तो उसको जन्म देने वाले माता–पिता उसका लालन पालन कर उसे बड़ा करते हैं और कुछ सालों बाद पढ़ा लिखा कर अपने पैरों पर खड़ा होने लायक बनाते हैं फिर उसका विवाह संस्कार सम्पन्न कर उसके पिता बनने की दहलीज पर लाकर खड़ा कर देते हैं। इन्हीं संस्कारों का निर्वाह करते हुए मेरी धर्मपत्नी श्रीमती सरिता रानी छिब्बर और मैनें आज से दो वर्ष पूर्व अपनी पुत्री सौ0 अर्चना का विवाह 22.11. 2010 को चि0 शिवराज दत्ता यमुनानगर (हरियाणा) के साथ सम्पन्न किया और दिनांक 28.11.2012 को पुत्र चि0 राकेश छिब्बर का विवाह सौ0 डॉ0 दिप्ती के साथ सम्पन्न किया। इस अवसर पर जनरल मोहयाल सभा (रजिस्टर्ड) दिल्ली को 500 रु. मात्र भेंट स्वरूप प्रदान कर रहा हूँ।

सेहरा और शिक्षा

आज से कुछ वर्षों पूर्व विवाह समारोह पर सेहरा और शिक्षा लिखने और समारोह पर पढ़ने की परम्परा थी। 'सेहरा' वर पक्ष द्वारा लिखा और जयमाला कार्यक्रम के बाद सार्वजनिक रूप से पढ़ा जाता था और 'शिक्षा' वधू पक्ष द्वारा लिखी जाती थी और पढ़ी जाती थी। सेहरे और शिक्षा के माध्यम से हम अपने पूर्वजों को इस अवसर पर सम्मानपूर्वक याद कर उनके आशीर्वाद के पात्र बनते थे, साथ ही उन्हें याद करते थे। आजकल यह परम्परा बिरादरी में लुप्त हो चुकी है, इसका स्थान डी.जे. और आर्केस्ट्रा आदि ने ले लिया है। इस अवसर पर हम अपने पूर्वजों के आशीर्वाद से वंचित रह जाते हैं।

चि0 राकेश के विवाह से पूर्व मेरे मन में ख्याल आया की इस परम्परा को पुनः जीवित किया जाए और अपने पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त कर सकूँ, परन्तु सामाजिक विरोध कि, किसके पास समय होगा सेहरा सुनने का और पढ़ेगा कौर? परन्तु मैंने हार नहीं मानी, ''कौन कहता है, आसमान में छेद नहीं हो सकता, तुम पहला पत्थर उछालकर तो देखो'' मैंने सेहरा लिखा और विवाह–समारोह पर आए सभी महानुभावों को एक–एक प्रति भेंट के रूप में प्रदान की। इस आशा की एक किरण के साथ की आने वाला कल मैं इस परम्परा को बिरादरी में स्थान मिल सके। एक प्रति 'सेहरा' भेज रहा हूँ।

–प्रदीप कुमार छिब्बर, द्वारा श्री शिवराज दत्ता,
म.नं. 154, पटेल नगर, जिला यमुनानगर, फोनः 0720–6402640

शादी की 68वीं सालगिरह

श्रीमती कैलाशवती मेहता (लौ) एवं श्री पुरूषोत्तम लाल मेहता (लौ) जी के लिए यह अत्यन्त सुखद संयोग था कि 25.11.2012 जिस दिन मोहयाल आश्रम वृंदावन का उद्घाटन हुआ, उसी दिन उनकी शादी की 68वीं सालगिरह भी थी।

विगत कई वर्षों से लौ दम्पति शादी की सालगिरह वृंदावन में ही मनाते हैं। इस शुभ अवसर पर इनके बेटे बृजमोहन मेहता (लौ) ने

जनरल मोहयाल सभा को 1100 रु. भेंट किए। कृष्ण भक्त श्रीमती कैलाशवती मेहता (लौ) द्वारा लिखित कृष्ण स्तुति गान प्रस्तुत है।

–बृजमोहन मेहता, *म.न. 429, सेक्टर–1, बैशाली, गाजियाबाद*

बसो मेरे नयन में नन्दलाल

चित चड़ी मेरे साँवरी मूरत
        ऊर विच आन अड़ी
कब की खड़ी मैं पंथ निहारुँ
        अपने भवन खड़ी
कैसे प्राण पिया बिना राखूँ, जीवन मृत जड़ी
        मीरा गिरधर हाथ बिकानी लोग कहें बिगड़ी
मैं अपने सैंयाँ संग साँची
        अब काहे की लाज सजनी परगट हैं मैं नाची
मोर मुकट पीताम्बर सोहे–कुंडल की झकझोर
        वृन्दा बन की कुँज गलियों में नाचत नन्द किशोर।

–कैलाश मेहता,
24/बी–8, सेक्टर–4, रोहणी, दिल्ली–110085 फोनः 27058700

Donate Generously towards Mohyal Ashram

कृपया तुरंत ध्यान दें

वित्तीय वर्ष 2013–14 में जनरल मोहयाल सभा नई दिल्ली द्वारा विधवाओं एवं भाइयों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता हेतु 'जीवन–प्रमाण–पत्र' को नवीनीकरण के लिए प्रत्येक क्षेत्र की मोहयाल सभा के प्रधान/सचिव को दिए/भेज दिए गए हैं। आप सभी भाई–बहनों से आग्रह है कि जो वित्तीय वर्ष 2012–13 अर्थात् अप्रैल 2012 से मार्च 2013 तक आर्थिक सहायता ले रहे थे एवं लेंगे वे अपने अपने क्षेत्र के मोहयाल सभा प्रधान एवं सचिव से तुरंत संपर्क करें और अपने फ़ार्म को भरकर, हस्ताक्षर कर उन्हीं के माध्यम से हमें लौटाएँ।

जहाँ मोहयाल सभा नहीं हैं, उन भाई एवं विधवा बहनों के फार्म हमने उनके पर डाक द्वारा भेज दिए हैं। वे भी फ़ार्म मिलने पर उसे भरकर हस्ताक्षर करके किन्हीं दो माननीय मोहयाल भाई व बहन के हस्ताक्षर करके शीघ्र हमें लौटाए।

आपके फार्म हमारे कार्यालय में 28 फरवरी 2013 तब अवश्य मिल जाने चाहिएँ।

सेक्रेटरी फाइनेंस

शैली बख्शी

7 दिसम्बर 2012 को 26 साल की आयु में दुल्हन बन कर एक नयी जिंदगी की शुरूआत। 7 जनवरी 2013 को एक महीने के भीतर वेंटिलेटर पर टिकी सांस..........

9 दिसम्बर 2013 सैंकड़ों लोगों ने दुआएं की, नामॅजें पढीं प्राथनाएँ हुईं, लेकिन भगवान एक ही ज़िद पर था और हम हार गए। वो जीत गया। शैली हम सब को छोड़ गयी।

अंतिम प्रार्थना– ईश्वर उसे किसी अच्छी जगह जन्म देना।

मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली के नेतृत्व में क्रांतिकारी कार्य

वृंदावन मोहयाल आश्रम

मोहयालों के इतिहास में एक और स्वर्ण पृष्ठ जुड़ गया, जब वृंदावन (श्रीकृष्ण धाम) आश्रम का शुभारम्भ हुआ, वह भी मोहयाल दिवस के शुभ अवसर पर 25 नवंम्बर 2012।

हमारी बिरादी के लिए आश्रम की एक और श्रृंखला जुड़ गई। यद्यपि इस अवसर का इंतजाम काफी दिन से था, और आखिर वह घड़ी आ गई जिसका सबको इन्तजार था। इसके साथ ही मोहयाल आश्रम गोवर्धन भी जुड़ा हुआ है। जिसका श्री शुभारम्भ जल्द हो जाने की आशा है। जिस प्रकार हरिद्वार आश्रम की ख्याती हुई, तथा मोहयाल सेवा सदन की प्रशंसा प्राप्त हुई, उसी प्रकार वृंदावन आश्रम भी तीर्थ व प्रवास आश्रम बन गया, तथा मोहयाल स्मारक की श्रृंखला में जुड़ गया, मोहयाल आश्रम ऐसी पुण्य स्थली पर है, जो जोगी राज की कर्मस्थली, जन्मस्थली, ब्रजभूमि, गिरिराज (गोवर्धन) बरसाना, मथुरा आदि तीर्थ स्थानों स्थित है।

जिस सुचारु रूप से वृंदावन के आश्रम का लोकार्पण हुआ, वह बहुत ही प्रशंसनीय व सराहनीय है। उद्घाटन प्रारम्भ से समाप्ति तक एक स्थिर सिलसिला चलता रहा, और लगभग बारह सौ मोहयालों का समागम हुआ। इसे सुचारू रूप से आरम्भ करके और पूर्ण करना अत्यंत कठिन काम था, कार्यक्रम ऐसे सुचारु रूप से हुए कि सभी अत्यन्त खुश व संन्तुष्स होकर गए, सभी मोहयाल भाई–बहनों का अच्छी तरह से स्वागत हुआ। दिल्ली की 12 सभाओं के तथा बाहर के 45 मोहयाल सभाओं के मानवीय सदस्यों परिवारों को जोश–खरोश देखने लायक था।

माननीय मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली, उपस्थित न हो सके, किन्तु उनका आशीर्वाद सबके साथ था, और फोन द्वारा वह हवन में सबके साथ थे। हमें सन्तोष व प्रसन्नता है कि वर्षों के अधिक परिश्रम व त्याग का फल हमें प्राप्त हुआ ही इस पवित्र भूमि पर बड़े–बड़े महात्माओं के आश्रम हैं और हर समय भागवत व हरि कीर्तन होते रहते हैं। हमारे मोहयाल भवन में स्थापित राधा–कृष्ण की मूर्ति भी ऐसी संजीव लगती है जिसे स्वयं राधा–कृष्ण जी आशीर्वाद दे रहे हैं। कृष्ण जन्मस्थली वृंदावन तो संसार में प्रसिद्ध तीर्थ स्थान है आस्था, श्रद्धा का प्रसार यहाँ होता ही रहता है। योगीराज भगवान कृष्ण की बाँसुरी भी यही बजी थी और उनकी बाँसुरी से मन्त्रमुग्ध होकर गोपियों ने यही रास किया व कान्हा गैया चराते थे।

जनरल मोहयाल सभा ने दूरदृष्टि से ही इस आश्रम का सपना सजोया था, वे जो आज फलीभूत हुआ, और सब मोहयालों को अवसर मिलेगा इस पावन स्थल पर आकर मथुरा, बांके विहारी, बरसाना व अन्य पावन स्थलों का दर्शन करने के लाभ मिलेगा यह वह महत्वपूर्ण भूमि है जो राधा–कृष्ण की लीला स्थली कहलाती है। कहते हैं यह तीन लोक से न्यारी है। इस आश्रम की रूप रेखा सन् 2008 में तब बनी जब मोहयाल रत्न बी.डी. बाली, एवं श्री ओ.पी. मोहन व अन्य मोहयाल सदस्य मोहयाल आश्रम हरिद्वार जा रहे थे। वहाँ पहुँचते ही उन्होंने एक कमेटी का गठन कर डाला जो वृंदावन आश्रम प्रोजेक्ट कहलाया। साथ ही यह बड़े संतोष की बात है कि रिकार्ड 4 वर्षों में पूर्ण हुआ। 25.11.2012 को पूरे मोहयाली जोश, होश के साथ धार्मिक रीति से उद्घाटन हुआ। यह भवन को राजस्थानी शैली में बना है। इस दशक की सर्वोच्च उपलब्धि है।

यह बात निर्वादित है कि मोहयालों ने जी.एम.एस. के कारण एक ऐसी सामाजिक क्रांति आई है कि इतिहास गवाह रहेगा तथा पीढ़ियों याद रखेंगी, गर्व से साथ ही प्रेरणा लेती रहेगी कि कैसे और अच्छे से अच्छे कार्य किए जायें कि मोहयाल ऊँचाइयों पर अग्रसर रहे। मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली का वरदहस्त कायम रहे तथा साथ ही सभी का अटूट साथ रहे तो आगे ही आगे बढ़ते रहेंगें।

संक्षेप में नीचे लिखे संस्थानों का विवरण दिया गया है:–

1. मोहयाल फाऊडेशन (जी.एम.एस. मुख्यालय)– ए–9, कुतुब इंस्टीट्यूटसनल एरिया, यू.एस.ओ. रोड, जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110067, फोनः 011–26560456, 26561504
E-mail: gmsoffice2003@gmail.com
gmsoffice2003@yahoo.co.in
web site: www.mohyal.com/online.com

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

2. मोहयाल भवन इन्द्रपुरी– ईजी 29, 30–30ए, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली–110012, फोनः 011–25835123

3. मोहयाल आश्रम हरिद्वार– मोहयाल आश्रम मार्ग, हरिद्वार–ऋषिकेश रोड, भूपतवाला, शांति कुंज, हरिद्वार, फोनः 09219441137, 09219443813

सुविधाः 8 सूट, 32 कमरे (सुविधायुक्त)।

4. सेवा सदन, हरिद्वार– 20 कमरे (सुविधायुक्त)

5. मोहयाल आश्रम वृंदावन– प्लाट नं. 23, आश्रम विहार, चत्तीकरा रोड, वृंदावन। सुविधा– 7 सूट 40 कमरे (सुविधायुक्त)

फोनः 0565–2913163

6. मोहयाल आश्रम गोवर्धन– सुविधा 8 कमरे (सुविधायुक्त) यह आश्रम भी शीघ्र पूर्ण होकर मोहयालों मानूमेंटस में शामिल हो जायेगा।

भविष्य की योजना– 1. कुरूक्षेत्र तीर्थ स्थल पर आश्रम की योजना।
2. आगरा में गेस्ट हाऊस की योजना।
3. शिक्षा के क्षेत्र में मैरिट नामक संस्था विश्वस्तरीय,
4. देहरादून प्राइमरी स्कूल चल रहा है (जीएमएस द्वारा संचालित)
5. नरसरी स्कूल–सेवा सदन हरिद्वार में संचालित (प्ले स्कूल)
6. पैथालॉजी सेंटर–यमुनानगर में बनाया जा रहा है।

–एन.के. दत्ता, *301–लेक ब्रीज अर्पाटमेंट, काफी बोर्ड, ले आउट, हेबल, बंगलौर–560024, फोनः 08088552680*

मोहयाल चालीसा

मोहयाल–चालीसा के लेखक कैप्टन के.एल. डोभाल ने दिसंबर 2012 के मोहयाल मित्र में जिस कवित्त भाव से तथा सुसंस्कृत भाषा में सप्त ऋषियों का गुणगान किया है वह वास्तव में ही स्तुत्य है। इसके साथ साथ मोहयालों के वीर गति प्राप्त शहीदों की भी याद की है।

जनरल मोहयाल सभा को चाहिए कि वह अपनी मीटिंग में इस मोहयाल चालीसा को पास करके मोहयाल फाउंडेशन में तथा सभी आश्रमों में लगवा कर अपनी सहृदयता का परिचय दे।

–नरेन्द्र लव, *शाहदरा, दिल्ली, मोः 9911564481*

राष्टीय अधिवेशन

भूमिहार, मोहयाल, त्यागी, गालब, चितपावन, अनामिल और नंबूदरी आदि ब्राह्मणों का राष्ट्रीय–अधिवेशन दो और तीन मार्च 2013 को राष्ट्रीय–अधिवेशन आयोजित किया गया है। इसमें प्रमुख सामाजिक, सांस्कृतिक समस्याओं पर विचार–विमर्श किया जाएगा। युवा और महिला सन्तों के साथ–साथ कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया है। 2 और 3 मार्च को प्रातः कुंभ–स्नान होगा। रहने व भोजन की व्यवस्था की गई है। अपने पहुँचने की सूचना दें।

- जय प्रकाश राय (अध्यक्ष, भूमिहार ब्राह्मण महासभा, 09415112854)
- कमल देव राय (महामंत्री, 09415308750)
- चंद्रकेश राय (संयोजक, 09415217518)

आयोजन स्थल– राजर्षि मंडपम हॉल (हिंदी साहित्य सम्मेलन), चंद्रलोक टॉकीज़ के पास, इलाहाबाद।

वृंदावन आश्रम लंगर फंड हेतु

मैं पवन बाली सुपुत्र श्री नरेन्द्र कुमार बाली एवं श्रीमती स्वर्ण बाली (प्लाट नं. 78, कृष्णा नगर, ऑफिसर्स एन्क्लेव, कालवाड़ रोड, जयपुर (राजस्थान) कार्यरत स्थान–चंडीगढ़, निवास स्थान मोहयाली (पंजाब) ने अपनी स्वर्गीय दादी जी श्रीमती जोगेन्द्र कौर (माया) पत्नी श्री स्वर्गीय श्री जगन्नाथ जी बाली (दादा जी) डिंगा बालीयां (पाकिस्तान) की पुण्य–तिथि में शत् शत् नमन के साथ वृंदावन मोहयाल आश्रम के लंगर फंड हेतु 11000 रुपए भेंट किए हैं।

परिवार के सदस्य हेतु परिचयः मेरे बडे भाई देवता तुल्य श्री मनोज बाली एवं भाभी श्रीमती सारिका बाली सुपुत्री डॉ. एस.के. दत्ता एवं भतीजा निलाभ बाली। मैं पवन बाली पत्नी श्रीमती मोनिका बाली, सुपुत्री श्री एस.के. मेहता (भिमवाल) पुत्री लावन्या बाली। मेरी छोटी व प्यारी बहन व जीजू श्रीमती लीना वैद सुपुत्री श्री नरेन्द्र कुमार बाली एवं श्रीमती स्वर्ण बाली। श्री अनन्त विजय वैद (जीजू) सुपुत्र स्वर्गीय कर्नल कुलदीप वैद साहब एवं श्रीमती प्रभा वैद निवासी रामप्रस्थ, गाजीयाबाद (यू.पी.), एवं मेरी नन्हीं प्यारी छोटी सी भांजी अनन्या वैद के साथ हमारे परिवार का परिचय। **लंगर फंड तिथि 7 फरवरी।**

–एम.के. बाली–*मो. 9166422820*

बेटी

अगर बेटा वारिस है, तो बेटी पारस है।
अगर बेटा वंश है, तो बेटी अंश है।
अगर बेटा आन है, तो बेटी गुमान है।
अगर बेटा संस्कार है, तो बेटी संस्कृति है।
अगर बेटा आग है, तो बेटी बाग है।
अगर बेटा दवा है, तो बेटी दुआ है।
अगर बेटा भाग्य है, तो बेटी विधाता है।
अगर बेटा शब्द है तो बेटी अर्थ है।
अगर बेटा गीत है तो बेटी संगीत है।
जब इतनी कीमती है बेटियाँ।
तो फिर क्यों खटकती है बेटियां।
जबकि सबको पता है, बेटों को भी जन्म देती हैं बेटियाँ।

–सुनील दत्त, *उत्तम नगर (मो. 9311466836)*

मोहन बिरादरी के जठेरों (माता अम्बाबेली) का मेला 14 फरवरी 2013 (बृहस्पतिवार) बसंत पंचमी को ग्राम–जपुवाल, ज़िला– गुरदासपुर में हो रहा है। आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

आरती : 10 बजे प्रातः
भोज : 2 बजे दोपहर

अधिक जानकारी के लिए श्री राकेश मोहन से मो. न. 09417018346 पर संपर्क करें।

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

उत्तम नगर

दिनांकः 23.12.202
निवासः श्री संजय बक्षी
अध्यक्षताः श्री राजीव बाली

गायत्री मंत्र एवं मोहयाल प्रार्थना के बाद सभा की कार्यवाही शुरू की गई। प्रधान श्री राजीव बाली जी ने अपने बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण प्रधान पद छोड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने भरोसा दिया कि उनकी सभा के साथ सहभागिता और भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों

में शामिल होने की पूरी कोशिश रहेगी। सभा के नए प्रधान के लिए उन्होंने श्री अनिल कुमार बाली जी के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसका सभी सदस्यों ने सहर्ष अनुमोदन किया। नव निर्वाचित प्रधान जी ने हल्के फेरबदल के साथ अपनी टीम की घोषणा की। प्रधान श्री अनिल कुमार बाली, वरिष्ठ उपप्रधान श्री राजीव बाली, उपप्रधान श्री प्रवीण कुमार दत्ता, महासचिव श्री सुनील दत्त, सचिव–श्री अविनाश दत्ता, कोषाध्यक्ष–श्री संजय बक्षी छिब्बर। कार्यकारिणी सदस्यों में श्री जितेन्द्र बक्षी, श्री हितेश दत्ता, श्री अखिल दत्ता, श्री शिवम बाली एवं श्री विनीत बक्षी।

महिला विंग का चुनाव–युवा एवं योग्य मोहयाल महिला सदस्यों को आगे लाने के प्रयास में महिला विंग का चुनाव किया गया। उपस्थित सभी महिला सदस्यों ने एकमत से श्रीमती डिम्पी दत्ता को अपना प्रधान चुना। श्रीमती डिम्पी दत्ता ने उपस्थित महिला सदस्यों में से अपनी टीम का चयन किया। प्रधान–श्रीमती डिम्पी दत्ता, उपप्रधान–श्रीमती तमन्ना दत्ता, महासचिव–श्रीमती अनिता बाली, सचिव–श्रीमती अनुराधा वैद, कोषाध्यक्ष–श्रीमती रमा दत्ता। कार्यकारिणी की सदस्या कु. आकांक्षा बाली, कु. एकता वैद, कु. स्नेहा दत्त, कु. कीर्ति बाली, एवं कु. राधिका (नैनसी) दत्ता।

नवनिर्वाचित दोनों प्रधानों ने अपने अपने विचारों में सभा की उन्नति सदस्यों की एकजुटता और सभा को श्रेष्ठतम सभा बनाने के प्रयासों पर बल दिया। प्रधान श्री अनिल कुमार बाली जी ने सभा का एक नया बैंक खाता इलाहबाद बैंक में खोलने का सुझाव दिया। जिस पर जल्द ही अमल किया जाएगा।

भेंटः श्री अनिल कुमार बाली–500 रु., श्री सुनील दत्त–200 रु., श्रीमती डिम्पी दत्ता–100 रु., श्रीमती तमन्ना दत्ता–100 रु., श्रीमती शेफाली बक्षी–100 रु., श्री अविनाश दत्ता–100 रु., श्री संजय बक्षी छिब्बर–100 रु., श्री प्रवीण कुमार दत्ता–251 रु., श्री राजीव बाली–250 रु. स्वादिष्ट जलपान के लिए सभी सदस्यों ने श्री संजय बक्षी एवं श्रीमती शेफाली बक्षी को धन्यवाद दिया।

शांति पाठ के बाद सभा समाप्ति की घोषणा हुई।

–सुनील दत्त, *महासचिव (9311466836)*

स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर

स्त्री सभा की मासिक मीटिंग श्रीमती रेणु छिब्बर के निवास स्थान पर गायत्री मंत्र के साथ शुरू हुई, सभा की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की सभा में सभी बहनों ने भाग लिया। सभा में वृंदावन आश्रम को देख कर आई बहनों ने श्री बी.डी. बाली और जीएमएस की पूरी टीम की सराहना की।

वृंदावन मोहयाल आश्रम के उद्घाटन पर श्रीमती प्रवीण बाली (सचिव), श्रीमती वीना वैद, श्रीमती सुरक्षा मेहता, श्रीमती निशा मोहन और कुमारी डॉ. नीतू बाली ने भाग लिया। सभी बहनें यमुनानगर से मोहयाल सभा यमुनानगर के प्रधान (श्री विपिन मोहन जी) और उनकी टीम के साथ मिलकर वृंदावन गए। रास्ते में पानीपत में श्री ऋत मोहन जी ने सभी मोहयाल भाई–बहनों को (जगाधरी वर्कशाप मोहयाल सभा के भाई बहनों को नाश्ता दिया सभी भाई बहनों की तरफ से उनको धन्यवाद।

वृंदावन में मोहयाल आश्रम बना कर जनरल मोहयाल सभा ने श्री बी.डी. बाली जी के नेतृत्व में विरादरी को एक नायाब तोहफा भेंट किया है। मोहयाल आश्रम में राधा–कृष्ण की मूर्ति बहुत ही सुंदर और अलौकिक है। वृंदावन में सभी राज्यों से आए मोहयाल भाईयों और बहनों ने एक–दूसरे से मुलाकात की और मोहयाल आश्रम के लिए बधाई दी। सभी बहनों ने वृंदावन में बाँके बिहारी लालजी के दर्शन किए और धार्मिक स्थानों के दर्शन किए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम बहुत अच्छा था, सारा कार्यक्रम बड़े ही सुचारू ढंग से व्यवस्थित किया गया। वहाँ मोहयाल बिरादरी का कुंभ था। सबने इसका श्रेय रायज़ादा बी.डी. बाली जी और उनकी टीम को दिया। सभी बहनों ने स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर की तरफ से 1100 रु. वृंदावन आश्रम को दान दिया। सभा में सभी बहनों ने श्री बी.डी. बाली जी के स्वास्थ्य के लिए मंगत कामना की भगवान करे कि उनका स्वास्थ्य ठीक रहे।

श्रीमती रेणु छिब्बर और श्री राकेश मेहता ने अपना नया घर बनाने पर सभा को 500 रु. भेंट किए।

श्रीमती प्रोमिला बक्शी की माताजी स्व. श्रीमती ताजरानी (पत्नी स्व. श्री मुलखराज) के निधन पर श्रद्धा के सुमुन अर्पित किए गए। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें। श्री वीरेन्द्र बक्शी और श्रीमती प्रोमिला बक्शी ने उनकी याद में 200 रु. सभा को भेंट किए।

शांति पाठ के साथ सभा समाप्ति हुई।

श्रीमती प्रवीन बाली, *सेक्रेटरी*
फोनः 01732–226799

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

खन्ना

सभा की मासिक बैठक प्रधान श्री विनोद दत्ता जी की अध्यक्षता में श्रीमती त्रिपता दत्ता के निवास स्थान पर हुई, जिसमें 20 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना और गायत्री मंत्र से सभा शुरू हुई।

वृंदावन गए हुए भाई–बहनों ने सुन्दर मोहयाल भवन को तथा वहाँ के प्रोग्राम की काफी सराहना की, वहाँ पर उनका अच्छे ढंग से स्वागत किया गया। श्री बी.डी. बाली जी को धन्यवाद, जिनकी देख रेख में यह यादगार मोहयाल भवन बना, प्रभू उन्हें अच्छी सेहत व लम्बी आयु दें।

प्रधान विनोद दत्त जी की देख रेख में रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें केनरा बैंक व मोहयाल सभा खन्ना ने सहयोग दिया। यह शिविर चाणक्य डेयरी, फोकल प्वांइट, मण्डी गोविन्द गढ़ में लगाया गया, जिसमें सभी ने बढ़ चढ़ कर रक्त दान किया।

खन्ना मोहयाल बहनों के अनुरोध पर स्त्री विंग बनाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किया गया। श्रीमती राधा मेहता छिब्बर को स्त्री मोहयाल सभा की प्रधान एक साल के लिए नियुक्त किया।

शोकसमाचारः अजनाली निवासी श्री तिलकराज मेहता की छोटी आयु में आकिस्मक मृत्यु होने पर एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

अच्छे जलपान देने पर श्रीमती तृप्ता दत्ता जी का धन्यवाद दिया। अगली मीटिंग श्री बलवंत राय मेहता के निवास स्थान पर 20 जनवरी 2013 को होनी तय हुई जो कि मौहल्ला कुंजीगरा में है। अन्त में जय मोहयाल के नारे लगाते हुए सभा समाप्त हुई।

खुशभाष राय छिब्बर, *उपप्रधान*
मो. 9988437399

देहरादून

दिनांकः 18.11.2012
स्थानः मोहयाल भवन, गुरूद्वारा रोड, देहरादून
अध्यक्षताः श्री राजीव दत्ता, प्रधान
संचालकः श्री एल.पी. मेहता, महासचिव
उपस्थितिः 15 सदस्य

मौसम की ठंड की बावजूद अच्छी संख्या में मोहयाल भाई देहरादून सभा की बैठक में उपस्थित हुए। उपस्थित कुछ सदस्यों ने मोहयाल सभा के चुनाव की चर्चा की जिस पर कार्यकारिणी ने कहा कि नई कार्यकारिणी का चुनाव सभा की ए.जी.एम. में किया जाएगा जो कि प्रायः मोहयाल मेला (मिलन) पर ही आयोजित की जाती है। सभा के महासचिव श्री लाल प्रवेश मेहता सप्तलीक दक्षिण भारत के भ्रमण पर जा रहे हैं, अतएव अगली सभा की मीटिंग की सूचना श्री अनिल दत्त सभी सदस्यों को प्रेरित करेंगे। सभा की ओर से मोहयाल आश्रम वृंदावन के उद्‌घाटन समारोह में जाने का दायित्व श्री यशवन्त दत्ता एवं भूपेन्द्र दत्ता को सौंपा गया।

देहरादून में भी भवन में कोई अच्छा कार्यक्रम जीएमएस प्रारम्भ करें, इस आशय का प्रस्ताव प्राप्ति हुआ।

■ 16.12.2012
स्थानः मोहयाल भवन, गुरूद्वारा रोड, देहरादून
अध्यक्षताः श्री राजीव दत्ता, प्रधान
संचालकः श्री लाल प्रवेश मेहता, महासचिव
उपस्थितः 20 सदस्य

मोहयाल सभा देहरादून की मासिक मीटिंग बड़ी गर्म जोशी में मोहयाल भवन में सम्पन्न हुई।

1. पूर्व सचिव श्री एस.के. छिब्बर ने बताया कि बदलाव मोहयाल सभा का मुख्य कारण सिर्फ नया जोश ही एक मात्र कारण है।

2. शीघ्र ही कार्यकारिणी अपना पूरा आय व्यय का ब्यौरा सामान्य बैठक में प्रस्तुत करेगी।

3. सभा को चाहिए कि अपने माध्यम से समाज में हम जरूरतमंद व्यक्तियों की खोज कर उनकी मदद का प्रयास करें यह विचार थे सभा के पूर्व प्रधान श्री प्रोफेसर के.एल. दत्ता जी के।

4. पूर्व प्रधान श्री एन.के. दत्ता ने कहा कि सभी मोहयालों को सभा की मीटिंग अवश्य उपस्थित होना चाहिए सिर्फ व्यवस्ताओं का बहाना कर मीटिंग में न आना ठीक नहीं क्योंकि व्यस्त तो आज सभी हैं।

5. देहरादून के मोहयालों की डायरेक्टरी को अब नया संस्करण चाहिए। इस बारे में शीघ्र ही मोहयाल सभा को आवश्यक प्रयास करना चाहिए।

6. देहरादून में आने वाले हर नये मोहयाल व्यक्तित्व से सभा को जोड़ने का प्रयास सभी सदस्यों को मनोयोग से करना चाहिए।

7. प्रो. के.एल. दत्ता पूर्व प्रधान ने विचार प्रकट किया कि कार्यकारणी जनरल मोहयाल सभा को अपने प्रयासों से और स्थानीय सभा के ताल मेल से हर शहर में बसे मोहयालों का सर्वे अवश्य करना चाहिए और उनको प्रकाशन भी करना चाहिए।

8. सभा को प्रयास कर प्रतिष्ठित, प्रसिद्ध मोहयाल विभूतियों को उनके विचारों को सुनने के लिए आमंत्रित करना चाहिए।

9. देहरादून के ग्रामीण क्षेत्र में उल्लावाला में श्री राम स्वरूप छिब्बर के आवास पर हुई घटना के संम्बन्ध में शासन प्रशासन एवं पुलिस को सभा की ओर से पत्र आवश्यक कार्यवाही एवं सुरक्षा हेतु लिखा गया।

10. अन्य विचार प्रस्ताव भी सभी सदस्यों ने प्रस्तुत किए जिसका मुख्य सार अपनी मोहयाल जगत को उसके सदस्यों को, उच्च विचारों से ओत प्रोत कर समाज में हमेशा अग्रणी रहने को प्रेरित किया गया।

–लाल प्रवेश मेहता, *महासचिव*
मो. 9411108845

बराड़ा

आज मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक सभा के प्रधान सरदार हरदीप सिंह वैद जी के निवास स्थान पर मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मंत्र के उच्चारण से आरंभ हुई।

सर्वप्रथम सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता ने पिछले मास की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई, जिससे सभी ने अपनी सहमति प्रदान की और वित्त सचिव ने आमदनी व खर्च का लेखा–जोखा पढ़ कर

सुना दिया, जिसे सभी ने अपनी सहमति प्रदान की। सभा के सेक्रेटरी सरदार वरिन्द्र पाल सिंह बाली ने पुरजोर अपील कि की सन् 2013 के जीएमएस व मोहयाल सभा बराड़ा के वार्षिक सदस्यता जल्दी से जल्दी बनें जिसके लिए सभा गाँव–गाँव जाकर सदस्य बना रही है। पर अपील सुनने के साथ ही वहीं पर जी.एम.एस. तथा बराड़ा सभा के सदस्य बन गए, जिनका मोहयाल सभा में धन्यवाद तथा आभार प्रकट किया।

मोहयाल सभा बराड़ा आने वाले नव वर्ष की समस्त मोहयाल भाई–बहनों व नन्हें–मुन्ने बच्चों को बहुत–बहुत बधाई देता है भगवान सब को सुखमय व आन्दमय जीवन प्रदान करें।

अन्त में सभी सदस्यों ने स. हरदीप सिंह वैद व परिवार का जलपान के लिए धन्यवाद किया।

बरिन्दर पाल सिंह बाली, *सेक्रेटरी जनरल*

जगाधरी वर्कशाप

मासिक बैठक दिनांक 6.01.2013 को प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में जंजघर माड्र्न कालोनी, आई.टी.आई. में मोहयाली प्रार्थना के साथ आरम्भ हुई। जिसमें 12 सदस्यों ने भाग लिया। नये साल की शुभ कामनाएँ दीं भगवान करे सभी मोहयाल भाई–बहन और बच्चें फले–फूले और तरक्की करें और अपनी बिरादरी का नाम रोशन करें। इसके बाद आये हुए सभी मोहयालों ने एक दूसरे को नव वर्ष बधाई दी और मुँह मीठा करवाया और आए हुए सभी सदस्यों ने प्रधान जी का धन्यवाद किया।

उप प्रधान श्री अशोक कुमार वैद जी ने कार्यकारिणी पदाधिकारियों का चुनाव कराने का सुझाव दिया। श्री हरबंस लाल लौ ने कुछ सुझाव दिए और अगली मासिक बैठक में विचार रखेंगे। और बुन्दा सिंह जी का विचार भी आया कि घर–घर जा कर मीटिंग में ज्यादा से ज्यादा मोहयाल आयें।

करनाल के मोहयाल मेले में श्री सतपाल दत्ता जी की ओर से बक्शी नन्दलाल और नरेश कुमार लौ जी गए। और उनकी सभा के सभी सदस्यों ने हम सब का स्वागत किया। प्रधान गुलशन कुमार वैद जी के कार्य की सराहना की।

अगली बैठक जंजघर में ही 3.02.2013 को होने की सूचना दी।

पत्र व्यवहार का पता–***श्री सतपाल दत्ता,*** *प्रधान, म.न. बी–VI- 1426, माड़्र्न कोलोनी, नजदीक गिरी मन्दिर, यमुना नगर,*
फोनः 01732–258526

कुरूक्षेत्र

मोहयाल सभा की मासिक मीटिंग 6 जनवरी 2013 मोहिन्द्र बक्शी के निवास स्थान सैक्टर–3, प्रधान सन्तोष वैद की अध्यक्षता में हुई। सभा में लगभग 22 मोहयाल भाई बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के साथ सभा का आरम्भ हुआ।

शोकसमाचारः श्रीमती ऋत दत्त की माता जी व सूरज प्रकाश बाली जी के दामाद के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया गया तथा दो मिनट का मौन रखा गया।

जी.एम.एस. द्वारा भेजे पत्र प्रधान व सचिव की मीटिंग बारे तथा उसके एजेंडा पर विचार विमर्श हुआ। सभा की सदस्यता 2013 सलाना चंदा लिया गया तथा सभी मोहयाल भाइयों से भी वार्षिक चंदा देकर सभा का सदस्य बनने के लिए प्रेरित किया गया।

श्री मोहिन्द्र बक्शी ने अपने सुपुत्र पुनीत बक्शी, जिनका आज जन्म दिवस है के उपलक्ष्य में सभा को 501 रु. भेंट किए। पुनीत के ताया जी महेश बक्शी ने भी इस उपलक्ष में सभा को 501 रु. भेंट किए। सभा के उपस्थित सदस्यों ने बधाई दी तथा पुनीत की दीर्घायु के लिए कामना की।

प्रधान सन्तोष वैद ने मोहिन्द्र बक्शी व सविता बक्शी का जलपान के लिए धन्यवाद किया। गायत्री मंत्र के साथ सभा समाप्त हुई।

–सन्तोष वैद, *प्रधान (मो. 9813790076)*

अंबाला कैंट

दिनांकः 01.11.2012
स्थानः सुभाष पार्क अंबाला कैंट
उपस्थितिः 10 सदस्य
प्रधानः श्री नरेश कुमार वैद

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद सब सदस्यों ने श्रीमती कांता वैद धर्मपत्नी स्व. किशनलाल वैद निवास स्थान बी–27 शिव प्रताप नगर, का निधन 27.11.2012 तथा क्रिया रस्म पगड़ी 7.12. 2012 को शिव मंदिर के शोक में दो मिनट का मौन रखा तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की। इसमें मोहयाल विरादरी तथा बहुत से मोहयाल सदस्यों ने भाग लिया। इस दुख के अवसर पर वैद परिवार ने, लोकल सभा तथा जीएमएस को प्रत्येक को 250–250 रु. भेंट किए। श्रीमती कांता जी 85 वर्ष की आयु में होने के नाते परिवार ने बड़ा करने की रस्म तथा पक्का भोज किया।

इसके उपरांत एच.एफ.ओ. एम.एल. दत्ता जी ने पिछली मीटिंग की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई तथा सदस्यों ने मंजूर किया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने मोहयाल मित्र व जीएमएस की वार्षिक सदस्यता का चंदा दिया कुछ सदस्यों ने श्री एम.के. वैद (सचिव खजाना) को घर जाकर पैंसे दे दिए। यह राशि जी.एम.एस. को भेज दी गई है।

श्री एम.एल. दत्ता जी ने वृंदावन मोहयाल आश्रम के उद्घाटन समारोह का विस्तार से वर्णन किया तथा सभा ने मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली साहिब तथा उसके टीम की प्रशंसा की तथा कोटि–कोटि बधाई दी। अगली मीटिंग 6.01.2013 को श्री आई. आर. छिब्बर ने अपने निवास स्थान पर करने का आग्रह किया। प्रधान जी की अनुमति से सभा सम्पन्न हुई।

■ दिनांकः 6.01.2013
स्थानः 5, दयाल बाग
निवास स्थानः श्री आर छिब्बर
उपस्थितिः 15
प्रधानः श्री नरेश वैद

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद सचिव एच.एफ.ओ. एम. एल. दत्ता ने 9.12.2012 को हुई बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ। प्रधान श्री नरेश वैद जी ने सब उपस्थित सदस्यों व उनके परिवारों को नव वर्ष 2013 की शुभकामना

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

दी। साथ ही जी.एम.एस के प्रधान मोहयाल रत्न रायज़ाद बी.डी. बाली, उनके समस्त साथियों, तमाम भारत व विदेशों की मोहयाल संस्थाओं व परिवारजनों को साल 2013 के मंगलमय व स्वास्थवर्धक होने की ढेर सारी शुभ कामनाएं दीं।

सचिव एम.एल. दत्ता ने वर्ष 2013 की मोहयाल मित्र प्रतियों की मांग जीएमएस सदस्यता व जीएमएस एफिल्येशन की बकायता एडरैस सूची के साथ भेज दिया गया। धनराशि ऑन लाईन जीएमएस अकाउंट में जमा करा दी है।

मोहयाल मित्र की प्राप्ति न होनाः कै. पी.आर. वैद जो मोहयाल मित्र के 2012 के वार्षिक सदस्य के साथ जीएमएस के आजीवन सदस्य भी हैं, ने अप्रसन्नता जताई कि उन्हें चार महिने से एक भी प्रति नहीं आई हालांकि आफिस सुप. कैप. डोभाल से इस विषय फोन पर बात भी हुई। साथ ही हैड पोस्ट आफिस से छानबीन की परन्तु सब व्यर्थ।

सेक्रेटरी जनरल, जीएमएस द्वारा लिखे गए पत्र जिसमें 20.01.13 को लोकल मोहयाल सभाओं के प्रधान व सचिवों को मोहयाल फाउंडेशन दिल्ली के समागम में बुलाया गया है। महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी जैसा कि मोहयाल मित्र की वार्षिक सदस्यता, लोकल सभाओं के संविधान में परिवर्तन या संशोधन, सभाओं की एफिल्येशन फीस में वृद्धि जीएमएस की वार्षिक सदस्यता में वृद्धि आदि सुझाव दिए गए हैं। सभा सदस्यों ने अपने अपने विचार/सुझाव प्रकट किए जिनकी सूची बनाकर जीएमएस को भेज दी जाएगी।

प्रस्तावः सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया गया कि मोहयाल सभा के प्लाट पर नजायज कब्ज़े को कानूनी रास्ते से जल्दी से जल्दी हटाया जाय, जिसके लिए छः सदस्यीय कमेटी का गठन हुआ। नामजद सदस्य श्री नरेश वैद, एम.एल. दत्ता, दीपक दत्ता, वी.के. वैद, कैप. पी.आर. वैद, एम.के. वैद। सदस्यों ने सचिव खज़ाना को वर्ष 2013 के लोकल सभा की वार्षिक सदस्यता तथा विधवा सहायता की धन राशि भेंट की।

अगली मीटिंग दीपक होम्योज़ पर होने की सूचना के बाद प्रधान जी ने श्री आई.आर. छिब्बर परिवार का सुंदर चाय नाश्ते के प्रबंध लिए धन्यवाद करते हुए समाप्त की।

–नरेश वैद, *प्रधान (मो. 9416754889)*
–एम.एल. दत्ता, *सचिव (मो. 9896102843)*

प्रेमनगर (देहरादून)

सभा की मासिक बैठक दिनांक 30.12.2012 को श्री राजेश बाली सचिव के निवास स्थान पर हुई। बैठक की अध्यक्षता श्री डी.एन. दत्ता प्रधान जी ने की। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात बैठक की कार्यवाही आरम्भ की गई। गत माह की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई तथा श्री जे.एस. दत्ता जी ने आय–व्यय का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया, जिसका सभी ने अनुमोदन किया।

श्री डी.एन. दत्ता एवं श्री राजेश बाली जिन्होंने मोहयाल आश्रम वृंदावन के शुभ मुहूर्त के अवसर पर भाग लिया था वहाँ के कार्यक्रम तथा प्रबंध के बारे सभा में उपस्थित सदस्यों को विस्तार पूर्वक बताया तथा कार्यक्रम एवं प्रबंधन की सराहना की।

श्री राजेश बाली सचिव ने बताया कि 'मोहयाल मित्र' के नवीनीकरण कराने वाले सदस्यों के आवेदन पत्र धनराशि सहित वार्षिक सदस्यता शुल्क एवं जी.एम.एस. की सम्बन्धता शुल्क 200 रु. जीएमएस को भेज दिया गया है। प्रधान श्री डी.एन. दत्ता एवं राजेश बाली ने सभा को जानकारी दी कि उन्हें जीएमएस में 20 जनवरी 2013 को प्रधान एवं सचिव की वार्षिक सभा में उपस्थिति होने के लिए पत्र प्राप्त हुए हैं।

सभा में उपस्थित श्री रिपुदमन बाली (बोनी बाली) ने अप्रैल 2013 में मोहयाल मिलन आयोजन करने का सुझाव दिया। प्रधान जी एवं सदस्यों ने उनके सुझाव का समर्थन किया तथा अगली सभा में विस्तारपूर्वक चर्चा करने का निर्णय लिया गया। सभी सदस्यों ने दामिनी की मृत्यु पर संवेदना प्रकट की उन्हें श्रद्धांजलि प्रदान की।

सभा के अन्त में प्रधान एवं सचिव ने सभी सदस्यों को नव वर्ष की शुभकामनाएँ दी। प्रधान श्री डी.एन. दत्ता जी ने श्रीमती एवं श्री राजेश बाली को जलपान की व्यवस्था करने पर धन्यवाद किया।

राजेश बाली, *सचिव (मो. 9758135583)*

डिस्ट्रिक एमएस जालंधर

डिस्ट्रिक मोहयाल सभा जालंधर की मासिक बैठक 13.01.2013 को श्री अजय दत्ता 191ए, बाबा बालक नाथ नगर मकसूदां श्री रविनन्दन कुमार चौधरी (शेरू) जिला प्रधान की अध्यक्षता में मीटिंग हुई, जिसमें 35 सदस्य उपस्थित हुए।

मोहयाल प्रार्थना पढ़ी गई। दिवंगत आत्माएं– श्री बैजनाथ मोहन प्रताप नगर, श्रीमती वीना मेहता जलंधर कैंट, श्री बलराम दत्ता बस्ती दानिशमंदा के निधन पर दो मिनट का मौन व्रत रखकर श्रद्धांजलि दी गई। गत बैठक की कारवाई पढ़कर सुनाई गई तथा पुष्टि हुई। अध्यक्ष महोदय ने अपने आगे किए जाने वाले कार्य, जिसमें जिला मोहयाल सदस्यों की डायरेक्टरी बनाना, सभी सदस्यों के आई कार्ड बनाने, और प्रतिवर्ष ''धीयां दी लोहड़ी'' मनाने का प्रस्ताव रखा और मान लिया गया।

विशेष रूप से आए श्री राजेश्वर कुमार चौधरी जी ने कहा कि सभी भाईचारे को शांति पूर्वक बनाकर रखें और आपस से मिलजुल कर रहें तथा और मेहनत कर कार्य करें ताकि मोहयाल मजबूत स्थिति में चल रही है और चले तथा भवन निर्माण में जो भी बिरादरी मेरे जुम्मे सेवा लगाएगी, मैं उससे ज्यादा सेवा करुगाँ।

सभा में विशेष उपस्थित सदस्य श्री पवन बाली, श्री गुलशन दत्ता, श्री ओ.पी. दत्ता, श्री नवीन दत्ता, श्री सुनील बाली आदि ''धीयां दी लोहड़ी'' की मुबारक दी, श्री पुष्प बाली जी ने भी ''धीयां दी लोहड़ी'' मनाने का पुरजोर समर्थन किया। अलीशा दत्ता पुत्री श्री अजय दत्ता द्वारा लोहड़ी की अग्नि प्रज्वलित की गई, और एक दूसरे को मुबारकें दी गई। मूँगफली रेबड़ी बाँटी गई।

श्री सुनील दत्त द्वारा आए हुए सभी सदस्य और मेहमानों का आभार व्यक्त किया और विशेष रूप से उपस्थित श्री अजय दत्ता के परिवार के सभी सदस्यों का जलपान के लिए धन्यवाद किया गया।

रविनंदन कुमार चौधरी, *प्रधान* ***एस. दत्ता,*** *सचिव*

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 6 जनवरी 2013 को प्रधान श्री कैलाश वैद जी के निवास स्थान पर श्री ऋत मोहन जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात तीन बार गायत्री महामंत्र का उच्चारण किया गया। नव वर्ष की शुभकामनाएँ तथा बधाई देते हुए प्रभु से प्रार्थना की, नव वर्ष सभी के लिए सुखमय हो व देश में शांति बनी रहे।

सूचना दी गई, कि 20 जनवरी 2013 को जीएमएस की तरफ से नई दिल्ली में देश भर की सभी मोहयाल सभाओं के सचिवों व प्रधानों की बैठक रखी गई है। जिसमें जीएमएस व लोकल सभाओं के बीच बेहतर तालमेल तथा मोहयाल बिरादरी की बेहतरी के लिए चर्चा होगी। साथ ही अनेक अहम मुद्दों पर भी बातचीत होगी। सदस्यों को लोकल सभा की अगली मीटिंग में इस आयोजन के दौरान हुई चर्चा का ब्यौरा दिया जाएगा।

सदस्यों को यह भी बताया गया, कि अखिल भारतीय शिया परिषद द्वारा 12 जनवरी 2013 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, इसमें शियाओं तथा हुसैनी ब्राह्मणों (दत्ता) के पूर्व में स्थापित हुए सम्बन्धों का जिक्र किया जाएगा तथा नई पीढ़ी को इससे अवगत कराया जायेगा। उन्होंने इस आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में स्व. श्री सुनील दत्त जी की बेटी सासंद प्रिया दत्त जी को आमंत्रित किया है, साथ ही पंजाब के पूर्व राज्यपाल ले.जन. बी.के.एन. छिब्बर तथा प्रो. जाकिर जी (मोहन) को भी विशेष अतिथि बनाया है, सभी सदस्य अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल हों।

अन्त में शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई। सभा आयोजन व जलपान के लिए वैद परिवार का धन्यवाद किया गया।

नरेन्द्र छिब्बर, *सचिव*
मो. 09315017928, 09416412184

भाई मतिदास को–ऑपरेटिव स्टोर लिमिटेड के चुनाव में संदीप बाली निर्वाचित

भाई मतिदास को–ऑपरेटिव लि. के चुनाव 25 दिसम्बर 2012 को सम्पन्न हुए, जिसमें श्री संदीप बाली को सर्वसम्मति से निर्वाचित प्रधान चुना गया इनके साथ ही श्री विजेन्द्र दत्ता को उप प्रधान एवं 13 सदस्यों की कार्यकारिणी सदस्य के रूप में चुना गया।

चुनावों के उपरान्त 5 जनवरी को हुई पहली कार्यकारिणी बैठक में श्री कमल छिब्बर को सचिव, श्रीमती संगीता बाली को सह–सचिव एवं श्री राजीव छिब्बर को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त सर्वश्री अश्वनी बाली, अशोक छिब्बर, बी.एन. वैद, महेन्द्र मेहता, सुरेन्द्र बख्शी, अश्वनी दत्ता, सुमन बाली, चन्द्र मेहता, अंकित दत्ता एवं विनीत मेहता सभी कार्यकारिणी सदस्य चुने गए।

इस अवसर पर भाई मतिदास को–ऑपरेटिव स्टोर लि. के निवर्निवाचित अध्यक्ष ने सभी सदस्यों को नव वर्ष 2013 की हार्दिक शुभकामनाएं दीं, साथ ही उन्होंने कहा स्टोर को खोलने संबंधी सभी प्रक्रियाओं पर कार्य जारी है। जल्द ही सभी काम पूरे कर लिए जाएंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगर सभी कार्य समय से पूरे हो गए तो आगामी 15 फरवरी 2013 बसंत पंचमी को स्टोर का उद्घाटन कर, स्टोर को जनता के लिए खोल दिया जायेगा।

बैठक के उपरान्त स्टोर के सभी आम एवं निर्वाचित सदस्यों ने श्री संदीप बाली को फूल माला पहना कर सम्मानित किया। इस अवसर पर महरौली रेजिडेन्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.) के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। ज्ञात रहे श्री संदीप बाली वेलफेयर एसोशिएसन के भी अध्यक्ष हैं। ई–मेल से प्राप्त समाचार sbali.ben@gmail.com

–अशोक छिब्बर, *महरौली*

ओ सृष्टि के मालिक

ओ सृष्टि के मालिक.....ओ मेरे जन्म दाता
क्या तेरा–मेरा रिश्ता.....बस...प्यार का है नाता।
ओ सृष्टि.......................

क्या तुझसे कहूँ दाता....तू सब कुछ जाने है
दिल तुझको ही चाहे.....दिल तुझ को ही माने है–2
तू दिल में आके समा....मेरा दिल है यही गाता।
ओ सृष्टि.......................

तेरे प्यार का भूखा दिल...तेरे प्यार का प्यासा दिल
तेरे नाम का व्रत रखकर....तेरी याद में रोता है दिल–2
आवाज़ दिलों की यहाँ....तू ही है सुन पाता।
ओ सृष्टि.......................

तनहा तुझसे ही कहूँ......तू सबका भला करना
जो छोड़ गए दुनियाँ......उनका भी भला करना–2
तू ही तो है बाप मेरा....और तू ही तो है माता।
ओ सृष्टि.......................

धुन है– संसार है इक नदिया....

सुनील बख्शी,
155–बी, जीवन नगर, सोनीपत, हरियाणा

नन्हें सपने

हमको सैर कराते सपने
परी लोक ले जाते सपने,
दादा जी के साथ दुकान पर
रसगुल्ले खिलाते सपने,
कभी हमारे पंख लगाकर
उड़ना भी सिखलाते सपने,
बिना बुलाये मेहमानों से
रोज रात को आते सपने,
कभी–कभी बौनों की दुनिया भी
हमको दिखलाते सपने,
हमें बहुत प्यारे लगते हैं
ये हँसते–मुस्कराते सपने।

सारा दत्ता (पीहु)
आयु–6 वर्ष, कक्षा–1, सैंट एंथोनी स्कूल, आगरा
पुत्री श्रीमती शिल्पी व अमित दत्ता,
2/11 सिड़डी गेट ताजगंज, आगरा, मो. 09917104777

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

श्री रायचन्द बाली जी का स्वर्गवास

श्री रायचन्द बाली (सुपुत्र स्वर्गीय श्री ज्ञान चन्द बाली) जी 5.11. 2012 73 वर्ष की आयु में अपनी सांसारिक यात्रा पूरी कर समस्त

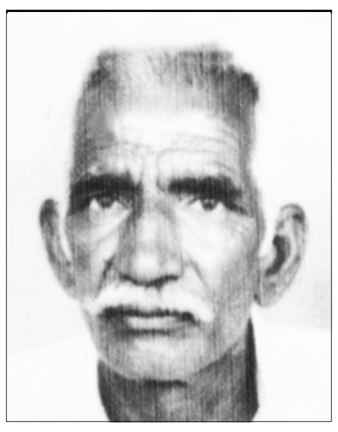

पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वाह कर, प्रभु चरणों में लीन हो गए। बाली जी कुछ समय से बीमार चल रहे थे, वे समाज में बिना किसी स्वार्थ और बिना किसी प्रसिद्धि की सेवा करने वाले थे। वे अपने पीछे पत्नी श्रीमती स्नेह लता बाली, पुत्र अरुण कुमार बाली बहू रेणु बाली, बेटी सुमन दत्ता, रेखा बक्शी, योगिता छिब्बर, रचना वैद, दामाद सुमन दत्ता, दीपक बक्शी, भाई ध्रुव छिब्बर, मेहता विनय वैद व समस्त परिवार को छोड़ गए।

अन्तिम यात्रा में बड़ी संख्या में रिश्तेदारों, मोहयाल भाई–बहनों ने इकट्‌ठे होकर प्रार्थना सभा में भाग लिया। परिवार की ओर से 250 रु. जी.एम.एस. और 250 रु. मोहयाल सभा बराड़ा को भेंट किया। ईश्वर उन्हें अपने चरणों में स्थान दे और परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति दें।

सूबेदार बक्शी बलराम भीमवाल की चवैरी

न ख़ामोश रहना, मेरे लख्ते–जिगरो
जब आवाज़ दूँ तुम भी आवाज देना,

परम–पूज्य सूबेदार बक्शी बलराम भीमवाल सुपुत्र श्री कृपाराम बख्शी (तलखालसा) रावलपिंडी, जिनका देहांत 3.11.2008 को

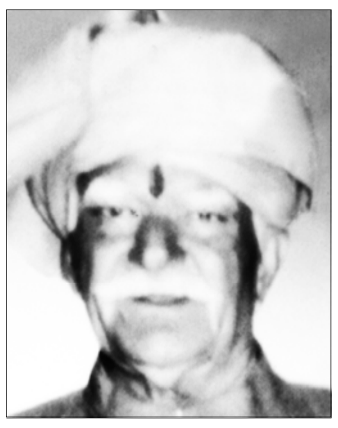

बस्ती दानीश मंदा (जालंधर) में हो गया था की चवैरी (चतुर्थी) बरसी पर हवन यज्ञ का आयोजन किया तथा इस पुण्य–तिथि पर पूरे परिवार ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

मृदुभाषी बख्शी जी जालंधर मोहयाल सभा के संस्थापक सदस्यों में से एक थे, बक्शी जी की शादी मेहता बलदेव सिंह लौ निवासी करीमपुर (जेहलम) की सुपुत्री कैलाश देवी के साथ हुई। बख्शी जी ने अपने सभी बच्चों की शादी मोहयाल परिवार में की हँसमुख बख्शी जी सदैव दूसरों का चिंतन ज्यादा करते थे। आपने 1971 के युद्ध में भाग लिया, तथा चटगाँव को घेरने वाली टुकड़ी में शामिल थे। बख्शी जी की स्मृति में उनके पुत्र चन्द्रमोहन बख्शी ने जीएमएस को 500 रु. भेंट किए।

–जतीन बक्शी, दानीशमंदा (जालंधर), मो. 9317090200

स्वर्गीय एन.के. मेहता की पुण्य-तिथि

12 फरवरी हमारे बाऊजी (एन.के. मेहता) का जन्मदिन है। जो लोग हमारे जीवन से हमेशा के लिए चले जाते हैं, हम उनकी

पुण्य तिथि पर ही क्यों याद करते हैं, उनके जन्मदिन पर भी याद करना चाहिए, इसलिए में शम्मी वैद उनकी छोटी बेटी अपने बाऊजी के जन्मदिन पर उनको याद करते हुए उनको श्रद्धांजलि देती हूँ और उनके जीवन के बारे में थोड़ा–सा लिखना चाहूँगी।

हमारे बाऊजी कर्मयोगी थे। वो बस अपने जीवन में कर्म करते रहे और कभी फल की इच्छा नहीं की। उन्होंने अपने जीवन के पूरे बीस वर्ष बांके बिहारी मंदिर फरीदाबाद और मोहयाल सभा फरीदाबाद के सचिव बनकर अपना कर्म करते रहे और फिर वेलफेयर हाउसिंग सोसायटी, सेक्टर–28, फरीदाबाद के प्रधान बनकर सेवा करते रहे। अपने जीवन के आखिर के दो साल उनको मुंबई जाना पड़ा तो वहाँ पर भी उन्होंने मोहयाल सभा नवीं मुंबई और वेलफेयर हाऊसिंग सोसायटी बसुन्धरा का गठन किया।

हमारे बाऊजी को इस दुनिया से गए हुए पूरे चार साल हो गए मगर आज भी सब उनको याद करते हैं। नवीं मुंबई मोहयाल सभा का पौधा जो हमारे बाऊजी ने लगाया था वो काफी फल–फूल रहा है आज भी हर मीटिंग, मेला, पिकनिक पर उनको याद किया जाता है, हमें बहुत गर्व है कि हम उनके बच्चे हैं। हम सब मेरी माँ राज मेहता, मेरा भाई–भाभी महेश और मीनू तथा मेरी दोनों बड़ी बहनें सुनीता और गीता के साथ उनको श्रद्धांजलि देते हुए उनके द्वारा लिखी हुई कविता अपने प्यारे बाऊजी को अर्पण करती हूँ–जिंदगी।

जिन्दगी भी क्या चीज है, इसकी कोई मंजिल नहीं,
खुशियों की यह बरखा भी है और दर्द का झोंका भी।

जो वक्त को रोके, यहाँ ऐसा कोई बशर नहीं,
जो कुछ भी है बस आज है, कल की कोई खबर नहीं।

जो फूल खिलता है, वो मुरझाया जरुर,
जो आया है, वो जाएगा जरुर, रह जाएगा,
सब कुछ यही, यही इसकी पहचान है।

बाऊ जी आपका प्यार और आशीर्वाद हम सब
के साथ हैं और आज भी ऐसा महसूस,
होता है कि आप हमारे आस–पास ही है।

श मी वैद *(सुपुत्री अमेरिका)*
shammivaid11@gmail.com

मोहयाल दिग्विजयी सम्राट ललितादित्य मोहन "राजा कश्मीर"

''मरते मरते कर गए छोड़ा न अपनी शान को
जरा पढ़ के देखो दोसता तुम अपनी मोहयाली शान को''।

मुझे दुःख है कि हमारे साहित्यकार गलत बातों को लिख कर इतिहास को बदल देते हैं। राजा को सूर्य वंशी राजपूत लिख कर इन लोगों ने इतिहास बदला है।

कश्मीर के राजा लालतादित्य मोहन वंश के बहादुर राजा हुए हैं। राजा ने 52 वर्ष कश्मीर पर ही नहीं संसार पर मोहयाली झंडा फहराया। चीन, अफगानिस्थान अरब देश तक इस वीर राजा का राज्य था। कश्मीर की मोहयाली खड्ग ने सब संसार को अधीन कर लिया था। इतिहासकार राजतरंगी, यंगहस्वैड के अनुसार मार्तंड मंदिर विश्व के सबसे बड़ा स्थल मंदिर इस वीर राजा ने बनवाया था। इसका नमूना ताज महल से भी बढ़िया है। इस लेख से कश्मीर का सर्वश्रेष्ठता का प्रमाण मिलता है।

इस बीर राजा के राज में प्रजा बहुत सुखी थी। धर्म परम सीमा पर था। हिंद धर्म के कई शास्त्रकार यहाँ थे। आज जितने लोग कश्मीर में हैं, सब तो परिवर्तन हिंद हैं जो अपने बुजुर्गों के कारनामों को खत्म कर रहे हैं। सब कश्मीरी पंडित तो हिंदू थे परन्तु बर्बर शासकों ने इनका न केवल धर्म परिवर्तन किया अपितु यहाँ की संस्कृति को मिटा दिया। लेखक गोपीनाथ के अनुसार आजकल के शादीपुर गाँव के पास परिहासपुर शहर विश्व प्रसिद्ध था। यह मोहयालों का ही नहीं हिन्दू धर्म का सुनहरी युग था। उसे मुस्लिम आकांता शासकों ने बरबाद कर दिया। ललितादित्य के साथ कश्मीर तथा भारत के हिन्दुओं का स्वाभिमान स्वर्ण–युग प्रारम्भ हुआ। परन्तु अफसोस है कि राजा के बेटे मोहयालों की शान कायम न रख सके।

राजा के राज में अनेक प्रतिभाशाली लोगों को कश्मीर लाया। विदेशी साहित्यकार अलबूनी के लेख से पता चलता है कि राजा ने एक तुर्क सरदार को अपना मंत्री बनाया था।

राजा ने तुर्किस्तान पर भी विजय प्राप्त की थी। उसकी याद में प्रतिवर्ष विजय–दिवस मनाया जाता था। हिन्दू धर्म की विफलता, सहिष्णता का प्रतीक थी कश्मीर की भूमि। इस संस्कृति को मुस्लिम शासकों ने बरबाद कर दिया। इन्हीं विदेशियों के कहने पर अपना धर्म पूर्वजों के खिलते चमन को बरबाद कर दिया।

हम क्या थे क्या हैं क्या होंगे अभी आओ मिलकर विचारें समस्याओं से।

– ***भाई वेद यास दत्ता वीरमशाही,*** *मेण्ढर पूंछ (जम्मू कश्मीर)*

मुझे नाज़ है

शुक्रिया उस रब्ब का पैदा किया इस कौम में।
इस कौम का लहू दौड़ा दिया इस तन में।
सप्त ऋषियों का दर्शन दे रहा इस कौम में।
सप्त जातियों का मिश्रण कर रहा आगाज़ इसमें।
मतिदास जी की कुर्बानी का हो रहा बखान इसमें।
हरिद्वार और वृंदावन सी पवित्रता का गुणगान इसमें।
परशुराम सा वीर योद्धा है जिनका वास इसमें।
अशोक लव जी की शाश्वत रचनाओं का भंडार इसमें।
कुछ कर गुजरने का जोशे–जज़बा है इसमें।
पथ प्रदर्शक जी.बी.डी. बाली कौ कल्याण का भाव जिनमें।
इस कौम को सीस नवाऊँ है मुझे नाज़ जिसमें।

❑ ***एम.के. बाली,***
एम.आई.जी / बी–51, चंदेला नगर, रिंग रोड–2,
बिलासपुर (छत्तीसगढ़) (मो.) 9826659221

पंचवर्षीय श्राद्ध

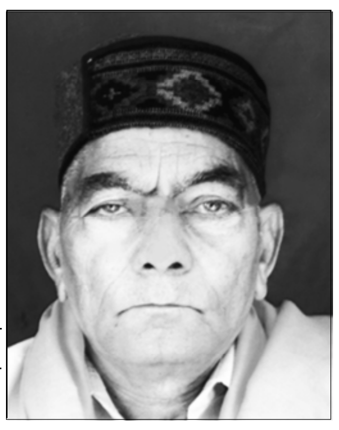

आज से पाँच वर्ष पूर्व कान्ता दत्ता इस मृत लोक को छोड़ परलोक चली गई थी। आज 23.12.2012 को उनकी तिथि मोक्षदा एकादशी है। इन पाँच सालों को आप के बिना कैसे गुजारा प्रभु जानते हैं। आज हवन, पाठ किया गया। सभी परिवार शोक ग्रहस्त था। इस अवसर पर जहाँ कान्ता जी के लिए प्रार्थनाएँ की गई वहीं उनके दोनों सुपुत्रों और गुरू वेद व्यास जी ने पाँच सौ रुपए जनरल मोहयाल सभा को भेंट किए।

–***विनय दत्ता, विनोद दत्ता,*** *मेंढर पूंछ*

खुशी क्या है यह मैंने जाना, तुम्हारे आने के बाद,
गम क्या है यह मैंने जाना, तुम्हारे जाने के बाद।
यदि यह सत्य है कि जान निकलने से मर जाते हैं लोग,
फिर मैं क्यों जिंदा हूँ, उनके चले जाने के बाद।

–***वेद दत्ता***

अपने गुरू स्वयं बनें। श्रेष्ठ धार्मिक पुस्तकें पढ़ें। संतों की रचनाएँ पढ़ें। स्वयं चिंतन और मनन करें।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com